हेमंत भटनागर

ब्लैक म्यूज़िक महीना

माइकल जे फ्रीडमैन

शुरूआती अफ्रीकी-अमेरिकी शैलियों ने अमेरिकी लोकप्रिय संगीत धारा पर गहरा प्रभाव डाला

अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय द्वारा समृद्ध और लगातार कुछ नया करते जाने की प्रवृत्ति के बगैर अमेरिकी संगीत की कल्पना तक करना कठिन है। आज के हिप-हाप और रैप संगीत में तो अफ्रीका के अश्वेत गुलामों के साथ आई सवाल-जवाब शैली की छाप दिखती ही है, अमेरिकी संगीत की लगभग सभी शैलियों को अफ्रीकी संगीत परंपराओं और कुछ नया करने की प्रवृत्ति ने प्रभावित किया है।

गीतकार और रेकॉर्ड निर्माता केनी गैम्बल के आग्रह पर 1979 में राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने जून को ब्लैक म्यूज़िक मंथ यानी अश्वेत संगीत मास घोषित किया। चौथाई सदी से अधिक समय बाद राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश भी वार्षिक ब्लैक म्यूज़िक मंथ की परंपरा बनाए हुए हैं।

मूल अफ्रीकी अमेरिकियों को अटलांटिक पार से ज़बर्दस्ती गुलामी के लिए लाया गया था। 17वीं और 18वीं सदियों के गुलाम समूह के अगुआ द्वारा गाए गए धार्मिक गीतों को चर्च में अपनी परंपरागत पश्चिमी अफ्रीकी शैली में सवाल-जवाब की तर्ज पर दोहराते। पश्चिम अफ्रीका में संगीत, धर्म और सार्वजनिक समारोहों में इस तरह के पैटर्न का चलन था। अमेरिका के दक्षिणी राज्यों के खेतों में काम करते हुए वे कटाई-बुआई के दौरान इसी शैली में गीत गाते।

गुलामों की धार्मिक आशा के आवेग ने 'नीग्रो स्पिरिचुअल' या 'जुबिली' की धार्मिक गीत-संगीत की उस शैली को जन्म दिया जो स्वर्ग में ईश्वर के सान्निध्य में कभी हाड़तोड़ मेहनत और दमन से मुक्ति की आकांक्षा को प्रतिबिम्बित करती है। इस शैली के बहुत ही व्यापक रूप से लोकप्रिय गीत हैं- स्विंग लो, स्वीट चैरियट, और रोल जोर्डान रोल। वर्ष 1871 में फिस्क जुबिली सिंगर्स (1866 में नैशविल, टेनेसी के ऐतिहासिक अश्वेत संस्थान फिस्क यूनिवर्सिटी का संगीत समूह) समूह गायन के रूप में स्पिरिचुअल को अमेरिका के कोने-कोने और यूरोप में ले गए।

20वीं सदी की शुरुआत में अफ्रीकी-अमेरिकी संगीत के नए रूप विकसित हो चुके थे। स्कॉट जॉपलिन और यूबी ब्लैक जैसे संगीतकारों ने पियानो वादन की एक शैली प्रवर्तित की जिसमें मन्द्र और तार स्वरों का अनूठा कलात्मक समन्वय दिखता रहा। इसे रैगटाइम कहा गया और बाद में कुछ अन्य शैलियों के साथ इसे मिलाकर जैज़ की रचना की गई। स्कॉट के मेपल लीफ़ रैग (1899) जैसी बन्दिशों ने नस्लीय सीमाओं के परे जाकर संगीत रसिकों को प्रभावित किया।

लगभग इसी दौर में दक्षिण के राज्यों में प्रचलित कामगारों के गीतों और अश्वेत संगीत की अन्य शैलियों से ब्लूज़ का विकास हुआ। गीतों या गायन शैली और वादन में सवाल-जवाब शैली और तालों-मात्राओं के अनूठे संयोजनों वाली इस शैली की खास पहचान दुख और प्रेम के विषाद के गीत हैं। इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है डब्ल्यू.सी.हैंडी का मेम्फिस ब्लूज़ (1912)। बी.बी.किंग और जॉन ली हुकर जैसे कलाकारों ने इस परम्परा को बनाए रखा है। शिकागो ब्लूज़, मेम्फ़िस ब्लूज़, डेल्टा ब्लूज़ और इसके अन्य विभेदों के बूते तो ब्लूज़ लोकप्रिय हैं ही, इसका प्रभाव जैज़, रॉक और बाद की अन्य संगीत शैलियों पर भी दिखता है।

अश्वेत चर्च सांगीतिक प्रेरणा का समृद्ध स्रोत बना रहा। 1930 तक ब्लूज़ और पुराने नीग्रो स्पिरिचुअल्स के तत्व गॉस्पेल संगीत के रूप में आकार ले रहे थे। शिकागो के पिलग्रिम बैप्टिस्ट चर्च के संगीत निर्देशक टॉमस ए. डॉर्सी ने इस शैली को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान किया जिसमें खुले गले से गा रहे मुख्य गायक का साथ गायक समूह, पियानो या ऑर्गन देते हैं और श्रोता भी जोरशोर से गाते हैं और तालबद्ध ढंग से तालियां भी बजाते हैं। राष्ट्रपति कैनेडी के उद्घाटन समारोह और श्रद्धेय मार्टिन लूथर किंग जूनियर के अंतिम संस्कार में गाने वाली महालिया जैक्सन गॉस्पेल परम्परा की सर्वश्रेष्ठ गायिका मानी जाती हैं।

गॉस्पेल का प्रत्यक्ष प्रभाव रिद्म एंड ब्लूज़ (आर एंड बी) जैसी पंथनिरपेक्ष अश्वेत संगीत शैलियों पर दिखा। अरेथा फ्रैंकलिन (एक धर्मोपदेशक की बेटी), सैम कुक (एक धर्मोपदेशक के बेटे) और श्रद्धेय एल ग्रीन सभी ने अपनी निजी, शैलियों के खांचों से मुक्त गायनशैलियों में गॉस्पेल के तत्वों का समावेश किया।

माइकल जे फ्रीडमैन यूएसइनफो के कार्यालय लेखक हैं।

पाब्लो मार्टिनेज़ मोन्सिवेस © ऐ पी - डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

ब्लैक म्यूजिक महीने के मौके पर व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में तुरही बजाते जैज़ कलाकार इरविन मैफ़ील्ड।